सच्चाई के दम पर जोश के साथ...

चैत्र नवरात्रि की हार्दिक शुभकामनाएं

www.swarajindianews.com

सांध्यकालीन समाचार पत्र

स्वराज इंडिया

ईद मुबारक

swarajindianews swarajindianews

प्रधान संपादकः रतन प्रकाश सिंह

कानपुर, सोमवार, 31 मार्च, 2025
वर्षः 02, अंकः 94, पृष्ठः 8+4, मूल्यः ₹ 2/-

इनसाइड दीपू चौहान फूड कोर्ट के अवैध निर्माण पर लाचार केडीए... » Pg03

रेप मामले में डायरेक्टर सनोज मिश्रा... » Pg12

यूपीः मुख्यमंत्री योगी ने दिए सख्त आदेश

अवैध ई-रिक्शा, ऑटो के खिलाफ चलेगा अभियान

ड्राइवरों का होगा वेरिफिकेशन । कल मंगलवार से होगी सख्ती, नाबालिगों के हाथों स्टेयरिंग दिखा तो खैर नहीं

» कार्यालय संवाददाता, स्वराज इंडिया ब्यूरो।

लखनऊ। यूपी में सीएम योगी के सख्त निर्देश के बाद अवैध ई-रिक्शा व ऑटो के खिलाफ पूरे प्रदेश में अभियान चलाया जाएगा। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बीते दिनों हुई बैठक में अधिकारियों को संदेश दिया था कि सुरक्षा और कानून व्यवस्था सरकार की पहली प्राथमिकता है। इसमें किसी प्रकार की लापरवाही या खिलवाड़ बर्दाश्त नहीं होगा। कई घटनाओं में अनधिकृत ई-रिक्शा और ऑटो की संलिप्तता पाई गई है। अभियान चलाकर इस पर हर हाल में अंकुश लगाया जाए। इस आदेश के बाद परिवहन आयुक्त ने समस्त पुलिस कमिश्नर, जिलाधिकारी व पुलिस कप्तान को पत्र लिखा है।

सड़क दुर्घटनाओं को लेकर चिंतित मुख्यमंत्री ने कहा था कि किसी भी गाड़ी की स्टेयरिंग नाबालिगों के हाथों में न हो, इस पर विशेष ध्यान दिया जाय। टेंपो, ई-रिक्शा चालकों का वेरीफिकेशन कराया जाए। जनपदों में गठित टास्क फोर्स में परिवहन विभाग के अधिकारियों को भी शामिल किया जाए। इन सभी निर्देशों के पालन और उचित क्रियान्वयन के लिए यह विशेष अभियान मंगलवार से प्रारंभ किया जा रहा है।

परिवहन विभाग द्वारा अभियान की प्रतिदिन मॉनिटरिंग की जाएगी। इसके लिए नोडल अधिकारी भी नियुक्त किए गए हैं। मुख्यालय में अपर परिवहन आयुक्त प्रवर्तन संजय सिंह को नोडल अधिकारी बनाया गया है। वे प्रतिदिन मुख्यालय से जनपदों की मॉनिटरिंग करेंगे। इस अभियान में मुख्यालय के साथ जनपद स्तर के अधिकारियों की भी जिम्मेदारी तय की गई है।

मुख्यालय स्तर से इसकी प्रतिदिन मॉनिटरिंग होगी। इसके लिए अपर परिवहन आयुक्त (प्रवर्तन) को नोडल अधिकारी बनाया गया है। जनपदों में भी संभागीय परिवहन अधिकारी (प्रशासन/प्रवर्तन) को अभियान की सफलता को लेकर निर्देश दिया गया है। हर शुक्रवार को शासन को इसकी रिपोर्ट भी प्रेषित की जाएगी।

कल से 30 अप्रैल तक होगी मॉनिटरिंग

मुख्यमंत्री जी ने प्रदेश की कानून व्यवस्था सुदृढ़ बनाये रखने के लिए विगत दिनों बैठक ली थी। इसमें उन्होंने अनधिकृत रिक्शा व ऑटो के विरुद्ध अभियान चलाने का निर्देश दिया था। यह अभियान फर्स्ट अप्रैल (मंगलवार) से प्रारंभ होकर 30 अप्रैल तक चलेगा। मुख्यालय स्तर से इसकी प्रतिदिन मॉनिटरिंग होगी। इसके लिए अपर परिवहन आयुक्त (प्रवर्तन) को नोडल अधिकारी बनाया गया है। जनपदों में भी संभागीय परिवहन अधिकारी (प्रशासन/प्रवर्तन) को अभियान की सफलता को लेकर निर्देश दिया गया है। हर शुक्रवार को शासन को इसकी रिपोर्ट भी प्रेषित की जाएगी।

– ब्रजेश नारायण सिंह,
परिवहन आयुक्त, उप्र

रूरा में किशोरी की धारदार हथियार से गला रेतकर हत्या

सोते समय हुआ हमला, उपचार के दौरान हुई मौत

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो।

कानपुर देहात। रूरा थाना क्षेत्र के काशीपुर के मजरा सलेमपुर में रविवार देर रात संदिग्ध हालात में एक किशोरी की सोते समय धारदार हथियार से गला रेतकर हत्या कर दी गई. पिता ने गांव के ही एक युवक पर हत्या का आरोप लगाया है।. पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजकर कार्रवाई शुरू कर दी है।

» गांव के संदिग्ध युवक को पुलिस ने लिया हिरासत में।

» रविवार देर रात की घटना, अस्पताल जाते समय तोड़ा दम

जानकारी के अनुसार रूरा थाना क्षेत्र के काशीपुर के मजरा सलेमपुर के रहने वाले राजेश कुमार की बेटी वंदना उम्र लगभग (15) वर्ष की रविवार देर रात संदिग्ध हालात में घर में सोते समय धारदार हथियार से गला रेतकर हत्या कर दी गई। राजेश कुमार ने पुलिस को बताया कि रात को बेटी खाना पीना खाकर आराम करने चली गई वहीं गांव के ही अज्ञात युवक द्वारा धारदार हथियार से बेटी पर हमला कर दिया गया जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गई आनन फानन में रात करीब तीन बजे बेटी को रूरा सीएचसी भर्ती कराया गया जहां डाक्टरों ने गंभीर हालत में युवती को जिला अस्पताल अकबरपुर के लिए रिफर कर दिया गया। वहां भी उपचार के दौरान आराम न मिलता देख परिजनों ने उसे कानपुर नगर के अच्छे अस्पताल में भर्ती कराने के लिए उसे लेकर निकल पड़े रास्ते में ही रनिया पहुंचने से पहले युवती ने दम तोड़ दिया। बेटी की मौत की खबर से परिवार में कोहराम मच गया। हत्या के बाद सुबह में ही अपर पुलिस अधीक्षक राजेश पाण्डेय, सीओ प्रिया सिंह, प्रभारी निरीक्षक जनार्दन प्रताप सिंह ने मौके पर पहुंचकर लोगों से जानकारी ली। राजेश कुमार ने अज्ञात युवक पर हत्या का आरोप लगाया है। वहीं घटनास्थल पर पहुंची सीओ सदर प्रिया सिंह ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है गांव से ही एक संदिग्ध युवक को गिरफ्तार कर हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। घटना से जुड़े हर एक पहलुओं की जांच की जा रही है।

प्यास बड़ी चीज : बूंद बूंद पानी को तरस रहे स्टेशन पर बंदर

कानपुर सेंट्रल स्टेशन पर बंदरों का आतंक जारी है

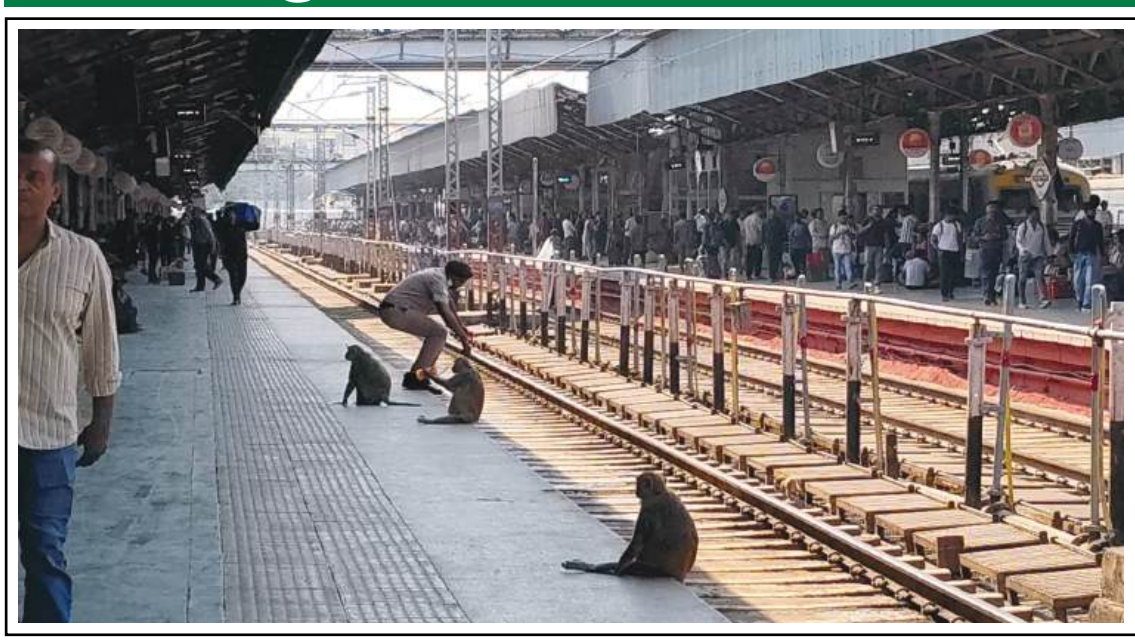

» यात्रियों के हाथ से पानी और

» कोलड्रिंक की बोतलें छीन लेते हैं बंदर

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर। गर्मी शुरुआत होते ही कानपुर सेंटर स्टेशन पर बंदरों ने अपनी प्यास के लिए यात्री को फेंकी हुआ कोल्डिंग की बोतल से स्टेशन के बंदर अपनी प्यास बुझाने का प्रयास कर रहे हैं यही नहीं पानी की झूठी बोतलों का भी सहारा ले रहे हैं। बताते चले कि कानपुर सेंट्रल स्टेशन पर बंदरों का आतंक भी है। खाने पीने के लिए यात्रियों पर भी हमला कर देते हैं। यात्रियों के हाथ में अगर कोई पॉलीथिन या खाने की कोई चीज देखते ही झपट लेते हैं अगर किसी ने छुड़ाने का प्रयास किया तो काट भी लिया करते हैं।

जानकारी के अनुसार कई बार यात्रियों को चोटिल कर चुके हैं। पूर्व सेंट्रल स्टेशन सीटीएम ने स्टेशन पर जगह जगह पर बंदर कटआउट कटआउट्स लगवाया था।

जिससे देख बंदरो का झुंड भाग जाते थे। बीते साल भी बच्चा यात्री को बंदर ने पैर पर काट लिया था। उसके बाद एसीएम ने नगर निगम को पत्र भी लिखा था। नगर निगम टीम ने कार्य भी किया था। फिर गर्मी आते ही बंदरो का झुंड हर बार स्टेशन पर उत्पात मचाते है। बीते दिन प्लेटफॉर्म एक पर बंदरो का झुंड महिला यात्री के हाथ से कोलड्रिंक की बोतल छीन ली हालांकि महिला यात्री ने कोलड्रिंक लगभग खत्म कर दिया था।

निर्माण कार्य रोकने पर दो पक्षों में जमकर बवाल

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर। हनुमंत विहार थानाक्षेत्र में पड़ोसी का निर्माण कार्य रोकने को लेकर दो पक्षों में जमकर बवाल हो गया। इस दौरान पथराव के साथ जमकर मारपीट हो गई। पथराव में एक कार भी क्षतिग्रस्त हो गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने दोनों ओर से क्रॉस में 39 लोगों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की है। पुलिस के अनुसार घटना की जांच की जा रही है।

हनुमंत विहार निवासी ललित बाजपेई ने रिपोर्ट में बताया कि 29 मार्च की सुबह उनके मकान में काम चल रहा था। इस दौरान पड़ोसी प्रशांत सचान, उनके भाई मयंक व पिता सुशील ने आकर निर्माण कार्य रोकने के लिए कहा। डायल 112 को सूचना देने के बाद पुलिस ने काम चालू कर शाम को चौकी में प्रार्थना पत्र देने के लिए कहा। आरोप है, शाम को छह बजे के आसपास तीन लोग तकरीबन 25 अज्ञात युवकों के साथ उनके घर पर आ पहुंचे। ललित के अनुसार सभी युवक नशे की हालत में थे।

ललित के अनुसार वो परिवार के साथ घर के अंदर थे। आवाज सुनकर ललित का बड़ा बेटा विशाल बाजपेई, छोटा बेटा अभिषेक बाजपेई नीचे उतरे तब तक अचानक गेट पर धक्का मारकर यह सभी लोग जबरदस्ती घर के अन्दर घुसे। इन लोगों ने अचानक मारपीट करना शुरू कर दिया। महिलाओं व बच्चों के साथ मारपीट की। जिसमें ललित की पत्नी बीना बाजपेई को चोट आ गई। बेटे विशाल को खींचकर बाहर ले गए। उसकी 10 ग्राम वजन की सोने की गले की चेन हाथ की घड़ी छीन कर ले गए।

आरोपियों ने पथराव किया जिसमें ललित की गाड़ी के शीशे, दाहिनी तरफ के गेट क्षतिग्रस्त हो गया। वहीं दूसरे पक्ष से प्रशांत सचान ने रिपोर्ट दर्ज कराते हुए आरोप लगाया कि पूर्व नियोजित तरीके से पुरानी खुन्नस रखते हुए ललित बाजपेई और उसके बेटो और अन्य परिजनों ने जानलेवा हमला कर दिया। आरोपियों ने जेब में पड़े तीन हजार रुपये और गले की चेन छीन ली। हनुमंत विहार थाना प्रभारी उदय प्रताप प्रताप सिंह के अनुसार दोनों ओर से क्रास रिपोर्ट में आरोपियों के खिलाफ गंभीर धाराओं में एफआईआर दर्ज कर जांच कर आगे की कार्रवाई की जा रही है।

दीपू चौहान फूड कोर्ट के अवैध निर्माण पर लाचार केडीए !

» केडीए के नियम कायदे ताकपर रखकर भौंती हाइवे किनारे बनाया जा रहा फूड कोर्ट

» प्राधिकरण को धोखा देने के लिए पास करवाया था जिला पंचायत से नक्शा

» खुलेआम निर्माण जारी लेकिन कार्रवाई के नाम पर नूराकुश्ती

मुख्य संवाददाता, स्वराज इंडिया

कानपुर। ईमानदार और सरल वीसी मदन सिंह गर्ब्याल के राज में केडीए में धांधली नहीं थम रही हैं। उनकी सख्ती के बाद भी प्रवर्तन और अनुभागों विभाग की मिलीभगत से होटल, गेस्ट हाउस और अन्य कामर्शिलय प्रतिष्ठान दनादन ताने जा रहे हैं। इसके एवज में मोटी रकम की डील करके जेबें भरी जा रही हैं। इससे केडीए राजस्व को चपत लग रही है। **जोन-2 में भौंती हाइवे स्थित दीपू चौहान फूड कोर्ट पिछले कई माह से निर्माणाधीन है लेकिन कार्रवाई के नाम पर नूराकुश्ती चल रही है लेकिन केडीए अफसरों ने फिर से एक्शन लिए जाने की बात कही है।**

आपको बता दें कि पनकी के पास भौंति हाइवे के किनारे दीपू चौहान फूड कोर्ट का निर्माण किया जा रहा है। यहां पर 33 हजार वोल्टेज हाईटेंशन लाइन बगल से गुजरी है। निर्माणकर्ता ने केडीए को धोखा देने के लिए शहरी क्षेत्र में जिला पंचायत से नक्शा पास करवा लिया था लेकिन केडीए में शिकायत पहुंची तो कार्रवाई शुरू हुई। तत्कालीन वीसी अरविंद सिंह के कार्यकाल में नोटिस जारी की गई और अग्रिम कार्रवाई तेज हुई तो उसने निचले तल में फूड कोर्ट शुरू करके अन्य निर्माण बंद करा दिया। वहीं, मामले को लटकाने के मकसद से स्थानीय कोर्ट में तथ्यों को छिपाकर वाद प्रस्तुत किया गया। अरविंद सिंह के तबादला होने के बाद मामला ठंडा हो गया। उपाध्यक्ष के पद पर मदन सिंह गर्ब्याल आए तो नियमकायदों को ताक पर रखकर निर्माण शुरू कर दिया गया। जब प्रकरण को लेकर चर्चा केडीए तक पहुंची तो प्रवर्तन अनुभाग के जिम्मेदारों से सवाल पूछे जाने लगे। इसपर दबी फाइल बाहर आ गई। इसपर 4 माह से अध्ययन चल रहा है। इधर, कोर्ट की आड की लेकर लगातार खुलेआम निर्माण कार्य किया जा रहा है लेकिन प्रवर्तन की टीम लाचार नजर आ रही है। वहीं, इस मामले में सचिव अभय पांडेय ने बताया कि कोर्ट में मामला लंबित होने के कारण कार्रवाई में देरी हुई लेकिन प्रकरण निपटा दिया गया है, कार्रवाई के लिए फाइल प्रवर्तन अनुभाग को भेज दी गई है। वहीं, इस मामले में जोन-2 के ओएसडी डा. रविप्रताप सिंह ने कहा कि दीपू चौहान फूड कोर्ट के अवैध निर्माण की जानकारी है, कोर्ट का इश्यू के कारण कार्रवाई नहीं हो रही है लेकिन अब एक्शन होगा।

सवालों के घेरे में केडीए के अधिकारी

वर्तमान समय में उपाध्यक्ष ने शमन प्रक्रिया को सख्त करने को कहा है तो प्रवर्तन दस्ता शमन में जुट गया है। अनाधिकृत निर्माण करने वालों से शमन के नाम पर एडवांस चेक और पैसे जमा कराए जा रहे हैं लेकिन सबसे बडा सवाल यह है कि कार्रवाई के नाम पर दिखावा क्यों किया जा रहा है। शहर में कई ऐसे निर्माण हैं जिनमें केडीए के नियम कायदों की धज्जियां उडाई जा रही है लेकिन कार्रवाई के नाम पर सिर्फ कागजी घोडे दौडाए जा रहे हैं। वैसे वीसी मदन सिंह गर्ब्यालय की कार्यशैली सरल है। वह खुद हर मामले को संज्ञान लेकर कार्रवाई करते हैं लेकिन उनके निर्देशों का अमल नहीं दिखता है।

कानपुर में ईद के अवसर पर डीएम जितेंद्र प्रताप सिंह और पुलिस कमिश्नर अखिल कुमार व डीसीपी दिनेश त्रिपाठी बच्चों से दुलार करते हुए

फोटो परिचय

बिल्हौर में धूमधाम से मनाई गई ईद,गले मिल एक दूसरे को दी मुबारक़बाद

ईदगाहों और मस्जिदों में अदा की गई नमाज

त्योहार को लेकर प्रशासनिक अमला रहा पूरी तरह अलर्ट

स्वराज इंडिया ब्यूरो

बिल्हौर(कानपुर)। ईद का पर्व बिल्हौर क्षेत्र में धूमधाम से मनाया गया। इस मौके पर ईदगाहों और मस्जिदों में नमाज अदा की गई। लोगों ने नमाज अदा करने के बाद गले मिलकर एक दूसरे को मुबारक़ दी। त्योहार को लेकर प्रशासनिक अमला पूरी तरह अलर्ट रहा। कोतवाल अशोक सरोज, कस्बा इंचार्ज नरेंद्र कुमार सुबह से ही क्षेत्र में भ्रमण करते रहे। वहीं अराजक तत्वों पर पुलिस की नजरें टेढ़ी रही।

बिल्हौर सर्किल क्षेत्र चौबेपुर शिवराजपुर, ककवन, बिल्हौर अरोल मकनपुर के विभिन्न ईदगाह एवं मस्जिदों में सोमवार को ईद की नमाज अदा की गई। रमजान के एक महीने की इबादत के बाद ईद पर सुबह से ही ईदगाह व मस्जिदों में रौनक दिखी। बिल्हौर कस्बे की प्राचीन ईदगाह में शहर काजी हाजी अनिसुर रहमान ने ईद की नमाज पढ़ाई। हजारों की तादात में लोग ईदगाह पहुँचे। शाही मस्जिद में मौलाना राकिम कादरी एवं वहीं स्वास्थ्य ठीक न होने की वजह से इस बाद बिल्हौर के हाज़ी मुफ़्ती यासिर अरफ़ात रजवी मंजरी ने छोटी मस्जिद में ईद की नमाज पढ़ाई। इसके साथ लाल मस्जिद,गुलशन मस्जिद, बिलाल मस्जिद समेत अन्य मस्जिदों में भी लोगों ने ईमाम के पीछे ईद की नमाज अदा की। और दुआएं मांगी गई। नमाज के बाद लोग ने एक-दूसरे से गले मिलकर और हाथ मिलाकर ईद की बधाई देते दिखे। बच्चों में खासा उत्साह देखने को मिल रहा था। ईदगाह परिसर व शाही मस्जिद के बाहर मेला का नजारा दिख रहा था। जहां बच्चे आइसक्रीम, गुब्बारा आदि खरीदारी करने में मशगूल दिखे। इस दौरान नायब तहसीलदार चंद्र प्रकाश राजपूत और खुफ़िया विभाग में मनोज शुक्ला, एके सिंह पुलिस के साथ निगरानी करते दिखाई दिए। वहीं नमाज़ शुरू होने से संपन्न होने तक एसीपी अमरनाथ पल पल की अपडेट लेते रहे।

चेयरमैन ने कस्बे में घूमकर ईद की बधाई दी

बिल्हौर। नगर पालिका चेयरमैन इखलाक खान अपने समर्थको के साथ कस्बे में भ्रमण कर घर घर लोगों से ईद मिलने पहुँचे। और गले मिल मुबारक़ दी। वहीं बच्चों को ईदी भी दी। उन्होंने बताया कि कस्बे में शांति पूर्वक त्यौहार मनाया गया। उधर चेयरमैन प्रत्याशी रहे आशीष चटरु और सपा नेता विनय कोरी ईदगाह पहुंचर लोगों को बधाई दी

बिल्हौर !...प्यार में धोखा---

- प्रेमिका को मिलने के लिए बुलाया, फिर दो साथियों संग किया रेप
- पुलिस ने प्रेमी व उसके दोनों साथियों को किया अरेस्ट
- तीन सप्ताह पहले प्रेमिका को खेत में बुलाकर गैंगरेप करने का मामला
- पीड़िता के चाचा की तहरीर पर पुलिस ने दर्ज किया था केस

स्वराज इंडिया संवाददाता

बिल्हौर। इश्क़...प्यार... और भरोसे में अपने प्रेमी के बुलावे पर गई नाबालिग प्रेमिका को नहीं मालूम था कि उसका प्रेमी उसको अकेला पाकर जल्लाद बन जाएगा और अपने दो दोस्तों के संग मिलकर उसके जिस्म के साथ खेलकर जबरन रेप की वारदात को अंजाम दे डालेगा।और उस घिनौनी करतूत का वीडियो भी बनाकर सोशल मीडिया प्लेटफार्म पर वायरल कर देगा । इससे नाबालिग युवती का भरोसा तो टूटा ही इसके साथ ही साथ अब वह शायद लड़को की जाति से नफ़रत भी करने लगे। पुलिस ने दुष्कर्म करने वालों को गिरफ्तार कर जेल भेजा है।

जानकारी के मुताबिक बिल्हौर कोतवाली क्षेत्र के एक गांव में तीन सप्ताह पहले एक प्रेमी युवक ने अपनी प्रेमिका को मिलने के लिए खेत पर बुलाया था। बुलावे पर गई प्रेमिका को प्रेमी ने ट्यूबवेल की कोठरी में बंद कर अपने दो दोस्तों संग गैंग रेप की वारदात को अंजाम दे डाला। और आपत्तिजनक स्थिति में वीडियो बनाकर सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर वायरल कर दिया। बात ज़ब पीड़िता किशोरी के चाचा को पता चली तो शनिवार की रात को पूरी घटना से पुलिस को अवगत कराकर तीन युवकों सूरज, रामजी, व हिमांशु

पर सामूहिक दुष्कर्म व अन्य गंभीर धाराओं में केस दर्ज कराया गया था। जिसके बाद सक्रिय हुई पुलिस टीम दुष्कर्म के आरोपितों की तलाश में जुट गई। पुलिस की सक्रियता के चलते तीनों आरोपियों को बिल्हौर के नानामऊ पुल के पास से रविवार को गिरफ्तार कर लिया गया।पुलिस ने कानूनी कार्रवाई करते हुए आरोपितों को जेल भेज दिया।

सम्पादकीय

कामयाबी का जनोत्सव

सरकारी आंकड़ों पर विश्वास करें तो इस महाकुंभ में 66 करोड़ से अधिक तीर्थयात्रियों ने गंगा-यमुना व अदृश्य सरस्वती के संगम पर महाकुंभ के दौरान डुबकी लगायी। एक भगदड़ की घटना में कुछ श्रद्धालुओं का असमय काल-कवलित होना दुखद ही था। कुछ अग्निकांड भी हुए। लेकिन यदि बात करोड़ों श्रद्धालुओं के संगम में स्नान व उनके आने-जाने व रहने की व्यवस्था की हो तो योगी सरकार अपनी पीठ थपथपा सकती है। रूस-अमेरिका जैसी महाशक्तियों की आबादी से अधिक जनसंख्या का प्रबंधन निश्चय ही एक बड़ी चुनौती थी। ऐसे दौर में जब उपभोक्ता संस्कृति सिर चढ़कर बोल रही है, तब सनातन संस्कृति का ऐसा उफान चौंकाता है। जिसमें लोग तमाम कष्ट सहकर संगम में डुबकी लगाने को आतुर दिखे। त्याग-संयम से परिचित कराना कुंभ संस्कृति का उद्देश्य भी रहा है। इस तरह हमने अपने पुरखों की गौरवशाली विरासत का सम्मान किया। जिसमें सदियों से करोड़ों लोग बिना चिट्ठी-पत्री के स्वत-स्फूर्त भाव से कुंभ के मेले में जुटते रहे हैं। भारतीय संस्कृति में ऐसी क्या खासियत है? महाकुंभ जैसे इतने बड़े आयोजन कैसे सफलतापूर्वक होते हैं? यह देखने पूरी दुनिया के जिज्ञासु, विभिन्न धर्मों के अनुयायी, फोटोग्राफर और पत्रकार सदियों से महाकुंभ में जुटते रहे हैं। महाकुंभ के सफल आयोजन के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि महाकुंभ ने पूरी दुनिया को युग-परिवर्तन की आहट और विशाल आयोजन की क्षमता से रूबरू कराया है। महत्वपूर्ण यह है कि तीर्थयात्रियों ने जिस तरह दिल खोल कर खर्च किया, वो निश्चय ही उत्तर प्रदेश की अर्थव्यवस्था का तारणहार बनेगा। बताते हैं कि इससे प्रदेश की जीडीपी में करीब साढ़े चार लाख करोड़ रुपये का इजाफा होगा। जो देश की तमाम देशी-विदेशी इनवेस्ट समिटों से कहीं ज्यादा ठोस आय का स्रोत बना है। कई गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड इस महाकुंभ के नाम हुए। वीरवार को तीन वर्ल्ड रिकॉर्ड प्रमाणपत्र मुख्यमंत्री योगी को सौंपे गए। विपक्ष, खासकर सपा व कांग्रेस कुंभ आयोजन को लेकर हमलावर रहे हैं। वहीं शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद ने महाकुंभ के समापन पर कहा कि ये सरकारी महाकुंभ है। असली कुंभ तो माघ पूर्णिमा को ही संपन्न हो चुका था।इस बार के महाकुंभ को टेक्नोलॉजी के महाकुंभ के रूप में भी याद किया जाएगा। महाकुंभ में विशेष एल्गोरिदम के जरिये इस्तेमाल पांच सौ एआई कैमरे क्राउड डेंसिटी व फैशियल रिकग्निशन के लिये इस्तेमाल किए गए। जिसके जरिये करोड़ों श्रद्धालुओं की गिनती संभव हुई। वहीं बिछुड़ों को परिजनों से मिलाने, आपराधिक गतिविधियों पर अंकुश लगाने में इनकी महत्वपूर्ण भूमिका रही है। इस बात का वैज्ञानिक अध्ययन होना चाहिए कि भगदड़ को कैसे टाला जाए। आखिर क्यों दो सौ- तीन सौ किलोमीटर के जाम लगते रहे हैं। कैसे ट्रेनों का संचालन बिना किसी व्यवधान के किया जाए। हालांकि, 16 नई ट्रेनें चलाने की बात कही गई, लेकिन तमाम स्टेशनों पर ट्रेन में चढ़ने के लिये मारामारी होती रही है। देश में धार्मिक पर्यटन की अपार संभावनाएं हैं। देश में महाकाल कोरिडोर व काशी कोरिडोर की तर्ज पर चारों कुंभ स्थलों पर संरचना निर्माण की दिशा में सोचा जाना चाहिए। प्रयागराज महाकुंभ से प्रेरित होकर महाराष्ट्र सरकार ने नासिक में 2027 में होने वाले सिंहस्थ कुंभ की तैयारियों की शुरुआत कर दी है। बहरहाल, महाकुंभ को सामाजिक समरसता के उत्सव के रूप में भी याद किया जाएगा, जहां जाति, धर्म, क्षेत्र व भाषा की वर्जनाएं टूटती नजर आई।

यूक्रेन के दुर्लभ खनिज पर अमेरिकी गिद्ध दृष्टि

पुष्परंजन

'सेंटर फॉर यूरोप एशिया स्टडीज' की निदेशक और 'शिकागो काउंसिल ऑन ग्लोबल अफेयर्स' की सीनियर फेलो थेरेसा फॉलन ने कहा, 'ऐसा लगता है कि डोनाल्ड ट्रंप ने ऐसा करके अंतर्राष्ट्रीय नीति के सभी मानदंडों को तोड़ दिया है, और वह इतना लेन-देन करके अमेरिका की बहुत सी सॉफ्ट पावर खो रहे हैं।' फॉलन ने फिर कहा, 'लेन-देन करना ठीक है, लेकिन यह तो जबरन वसूली है।'शुक्रवार को पूरी दुनिया की निगाहें व्हाइट हाउस में होने वाली एक डील पर होंगी, जिसे एक देश पर थोपा जाना है। अमेरिका जिन देशों को आर्थिक मदद देता है, उसे किस रूप में वसूलता है, यह देखने के लिए भारत के लोग भी तैयार हो जाएं। यूक्रेन की लीडरशिप के लिए आगे कुआं-पीछे खाई वाली स्थिति है। जेलेंस्की पुतिन से बचने के वास्ते अमेरिका से मदद की अपेक्षा कर रहे थे, ट्रंप ने भूखे हिंस्र जंगल के राजा की तरह 'मेमने' को दबोच लिया। ट्रंप ने गुरुवार को पत्रकारों से कहा, 'मैंने सुना है कि वह शुक्रवार को आ रहे हैं। निश्चित रूप से, अगर वह चाहें तो मुझे कोई आपत्ति नहीं है। ट्रम्प ने कहा, कि यह डील एक ट्रिलियन डॉलर तक की हो सकती है, इससे अमेरिकी करदाताओं को उनका पैसा वापस मिल जाएगा।'

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने मंगलवार को कहा था, कि अमेरिका और यूक्रेन ने महत्वपूर्ण खनिजों के सौदे के मसौदे पर सहमति जताई है, जिसकी कीमत लगभग 1 ट्रिलियन डॉलर हो सकती है। यह सौदा यूक्रेन के राष्ट्रपति ज़ेलेंस्की द्वारा पहले के मसौदे को अस्वीकार करने के एक सप्ताह बाद हुआ है। ट्रम्प ने मंगलवार को ओवल ऑफिस में संवाददाताओं से कहा कि ज़ेलेंस्की शुक्रवार को वाशिंगटन आकर एक 'बहुत बड़ी डील' पर हस्ताक्षर करना चाहते हैं। बुधवार शाम को, ज़ेलेंस्की ने कहा कि यह अमेरिका के साथ सहयोग के लिए एक आर्थिक ढांचा है, जिसमें अभी तक कोई अमेरिकी सुरक्षा गारंटी शामिल नहीं है।

पिछले हफ़्ते ज़ेलेंस्की ने एक पुराने ड्राफ्ट को अस्वीकार कर दिया था, क्योंकि इसमें यूक्रेन के लिए सुरक्षा गारंटी के बारे में विवरण नहीं था। ट्रंप अब भी बदले नहीं हैं। राष्ट्रपति ट्रम्प ने बुधवार को कहा, 'मैं बहुत ज्यादा सुरक्षा गारंटी नहीं देने जा रहा हूं। हम यूरोप से ऐसा करवाने जा रहे हैं।' नोक-झोंक में ट्रम्प ने ज़ेलेंस्की को 'तानाशाह' तक कह डाला था। सोमवार को, ज़ेलेंस्की ने कहा था कि मैं शांति के लिए इस्तीफ़ा देने के लिए तैयार हूं। ज़ेलेंस्की ने मांग की, कि यूक्रेन को अपनी सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए उत्तरी अटलांटिक संधि संगठन (नाटो) की सदस्यता दी जानी चाहिए। लेकिन, वाशिंगटन ने नाटो का सदस्य बनने की मांग को 'अवास्तविक' करार दिया है। अमेरिका की गिद्ध दृष्टि यूक्रेन की दुर्लभ खनिज संपदा पर है।दुर्लभ मृदा खनिज वैश्विक स्तर पर पृथ्वी के गर्भ में पाए जाने वाले 17 भारी धातुओं का एक समूह है। नियोडिमियम, लैंथेनम, सेरियम, प्रेजोडियम, यिट्रियम, टेरबियम और यूरोपियम जैसे कुछ दुर्लभ मृदा तत्वों का उपयोग कंप्यूटर हार्ड ड्राइव, टेलीविज़न, मोबाइल स्क्रीन और कैमरा लेंस जैसे उच्च तकनीक वाले उत्पादों के निर्माण में किया जाता है। वर्तमान में, ऐसे दुर्लभ खनिजों का सबसे बड़ा उत्पादक चीन है, जो दुनिया की आपूर्ति का कम से कम 60 प्रतिशत निकालता है।अमेरिकी भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के अनुसार, 2024 में अमेरिका अपनी 80 प्रतिशत दुर्लभ खनिजों की जरूरतों के लिए चीन, मलेशिया, जापान और एस्टोनिया पर निर्भर था। कीव के साथ दुर्लभ खनिजों का सौदा करने के पीछे की मंशा, अमेरिका को बड़ी तकनीक का अधिकेंद्र बनाना है। अपने अभियान के दौरान, ट्रम्प ने एक अन्य करीबी सहयोगी ताइवान पर अमेरिका के चिप व्यवसाय को चुराने का भी आरोप लगाया था। टैरिफ की धमकियों के बीच, ताइवान ने अमेरिका में निवेश बढ़ाने का वादा किया। इस महीने की शुरुआत में, ट्रम्प ने व्हाइट हाउस में संवाददाताओं से कहा था, कि हम यूक्रेन को वाशिंगटन द्वारा भेजे गए लगभग 375.8 बिलियन डॉलर की वापसी चाहते हैं। कीव को भेजी गई सहायता के बारे में ट्रम्प के अनुमान अमेरिकी सरकार के आंकड़ों के विपरीत हैं। 'यूक्रेन ओवरसाइट' के अनुसार, 30 सितंबर, 2024 तक अमेरिका ने यूक्रेन की सहायता के लिए कुल 183 बिलियन डॉलर भेजे थे, जो यूक्रेन को भेजी गई सहायता को रिकॉर्ड करने के लिए अमेरिकी सरकार द्वारा बनाई गई एक वेबसाइट है।जिस स्टाइल में ट्रंप यह सब कर रहे हैं, उसका दुनिया भर में विरोध होना शुरू हो गया है। 'सेंटर फॉर यूरोप एशिया स्टडीज' की निदेशक और 'शिकागो काउंसिल ऑन ग्लोबल अफेयर्स' की सीनियर फेलो थेरेसा फॉलन ने कहा, 'ऐसा लगता है कि डोनाल्ड ट्रंप ने ऐसा करके अंतर्राष्ट्रीय नीति के सभी मानदंडों को तोड़ दिया है, और वह इतना लेन-देन करके अमेरिका की बहुत सी सॉफ्ट पावर खो रहे हैं।' फॉलन ने फिर कहा, 'लेन-देन करना ठीक है, लेकिन यह तो जबरन वसूली है।'यूक्रेन के पास 34 पदार्थों में से 22 मिनरल्स हैं जिन्हें यूरोपीय संघ 'महत्वपूर्ण कच्चे माल' के रूप में परिभाषित करता है। दुनियाभर में 110 मिलियन टन दुर्लभ खनिज हैं। इसमें से 44 मिलियन टन चीन में हैं, जो दुनिया का सबसे बड़ा उत्पादक है। इसके अलावा ब्राजील में 22 मिलियन टन, वियतनाम में 21 मिलियन टन, रूस में 10 मिलियन टन, और भारत में 7 मिलियन टन दुर्लभ खनिज का अनुमान है। कोई सुरक्षा गारंटी नहीं, फिर भी जेलेंस्की अमेरिका के साथ समझौते पर हस्ताक्षर कर रहे हैं, क्या यह किसी क़िस्म का ब्लैकमेल है? मॉस्को ने यूक्रेन के बड़े हिस्से पर कब्ज़ा कर रखा है, जिसमें क्रीमिया भी शामिल है, जिसे उसने 2014 में अपने साथ मिला लिया।

समाज में वैज्ञानिक सोच विकसित करना जरूरी

राष्ट्रीय विज्ञान

डा0 रेनू यादव

राष्ट्रीय विज्ञान दिवस केवल वैज्ञानिक उपलब्धियों को याद करने का दिन नहीं, बल्कि बच्चों और युवाओं में वैज्ञानिक सोच को विकसित करने का अवसर भी है। इसी को ध्यान में रखते हुए राष्ट्रीय विज्ञान दिवस 2025 की थीम 'विकसित भारत के लिए विज्ञान और नवाचार में भारतीय युवाओं का सशक्तीकरण' रखा गया है।अठाईस फरवरी को भारत में राष्ट्रीय विज्ञान दिवस मनाया जाता है। यह दिन देश के महान वैज्ञानिक सी.वी. रमन की खोज व रमन प्रभाव को सम्मान देने के लिए मनाया जाता है। जिसके लिए उन्हें 1930 में नोबेल पुरस्कार मिला था। यह दिन भविष्य में विज्ञान और नवाचार को बढ़ावा देने के लिए भी महत्वपूर्ण है।

सन? 1928 की बात है, जब भारतीय वैज्ञानिक चंद्रशेखर वेंकटरमन ने एक अभूतपूर्व खोज की। उन्होंने पाया कि जब प्रकाश किसी पारदर्शी माध्यम से गुजरता है, तो कुछ फोटॉनों की ऊर्जा में परिवर्तन हो जाता है। इस सिद्धांत को 'रमन प्रभाव' कहा गया और इससे भौतिकी तथा रसायन विज्ञान में क्रांतिकारी परिवर्तन आए। इस खोज ने न केवल स्पेक्ट्रोस्कॉपी में नए द्वार खोले, बल्कि मेडिकल साइंस, विशेष रूप से जांच, दवा निर्माण और नैनो प्रौद्योगिकी, बायोटेक्नोलॉजी और अंतरिक्ष अनुसंधान में भी महत्वपूर्ण योगदान दिया।यह खोज भारत के स्वतंत्रता संग्राम के दौरान हुई, जिससे भारतीय वैज्ञानिकों में आत्मनिर्भरता और आत्मसम्मान की भावना विकसित हुई। इसके कारण भारत में विज्ञान शिक्षा और अनुसंधान को एक नई दिशा मिली। साथ ही, इस उपलब्धि ने लोगों को वैज्ञानिक दृष्टिकोण अपनाने और तर्कसंगत सोच विकसित करने के लिए प्रेरित किया। यही कारण रहा कि इस ऐतिहासिक उपलब्धि को सम्मान देने के लिए 1986 में भारत सरकार ने 28 फरवरी को 'राष्ट्रीय विज्ञान दिवस' के रूप में मनाने की घोषणा की। इसका उद्देश्य विज्ञान को जनजीवन से जोड़ना, आम जनता की भलाई के लिए विज्ञान की भूमिका को समझना और विज्ञान के प्रति रुचि को बढ़ावा देना है।आज विज्ञान का प्रभाव हमारे दैनिक जीवन के हर पहलू में देखा जा सकता है।

स्वास्थ्य के क्षेत्र में एक्स-रे, एमआरआई, अल्ट्रासाउंड और रोबोटिक सर्जरी जैसी तकनीकों ने चिकित्सा को अत्याधुनिक बना दिया है। संचार क्रांति के कारण मोबाइल फोन, इंटरनेट, 5जी और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस ने सूचना के आदान-प्रदान को तेज और प्रभावी बना दिया है। खाद्य उत्पादन के क्षेत्र में जीन संपादन, ड्रोन तकनीक और स्मार्ट इरिगेशन सिस्टम जैसी वैज्ञानिक उपलब्धियों ने खेती को अधिक टिकाऊ और कुशल बनाया है। परिवहन और अंतरिक्ष विज्ञान में भी भारत ने उल्लेखनीय प्रगति की है। हाल ही में भारत के चंद्रयान-3 और गगनयान मिशन ने अंतरिक्ष में नई संभावनाओं को जन्म दिया। मिशन मंगल और अन्य अंतरिक्ष अभियानों ने भारत को इस क्षेत्र में वैश्विक स्तर पर प्रतिष्ठा दिलाई है।भारत ने विज्ञान और तकनीक के क्षेत्र में कई ऐतिहासिक उपलब्धियां हासिल की हैं। डॉ. विक्रम साराभाई, जिन्हें भारतीय अंतरिक्ष कार्यक्रम का जनक माना जाता है, ने इसरो की स्थापना की और देश के अंतरिक्ष मिशनों की नींव रखी।

डॉ. होमी भाभा ने भारत के परमाणु कार्यक्रम की दिशा तय की, जबकि डॉ. एम. विश्वेश्वरैया ने इंजीनियरिंग और जल प्रबंधन के क्षेत्र में अमूल्य योगदान दिया। आज इसरो, डीआरडीओ, सीएसआईआर जैसी संस्थाएं भारत को तकनीकी रूप से आत्मनिर्भर बना रही हैं।हालांकि, विज्ञान ने दुनिया को आगे बढ़ाने में मदद की है, लेकिन कुछ चुनौतियां अभी भी बनी हुई हैं।

वैज्ञानिक सोच का अभाव और अंधविश्वास समाज के विकास में बाधा डालते हैं। आज भी लोग बिना वैज्ञानिक आधार के कई धारणाओं को मानते हैं, जिससे समाज में रूढ़िवादिता बनी रहती है। इसे दूर करने के लिए वैज्ञानिक शिक्षा को प्राथमिक स्तर से ही बढ़ावा देने की आवश्यकता है।मेक इन इंडिया और आत्मनिर्भर भारत जैसी पहलों को सशक्त करने के लिए अनुसंधान और नवाचार को बढ़ावा देना जरूरी है। इसके अलावा, पर्यावरण और कृषि में विज्ञान के उपयोग को बढ़ाने की आवश्यकता है। बायो-प्लास्टिक, अपशिष्ट प्रबंधन और स्वच्छ ऊर्जा जैसी तकनीकों को अपनाने से न केवल प्रदूषण की समस्या से निपटा जा सकता है, बल्कि जलवायु परिवर्तन के दुष्प्रभावों को रोका जा सकता है। इसी तरह कृषि क्षेत्र में टिकाऊ खेती, जल संरक्षण और जैविक खेती को प्रोत्साहित करके खाद्यान्न और पोषण के संकट से पार पा सकते हैं, जिससे स्वास्थ्य क्षेत्र पर बढ़ते दबाव को भी कम किया जा सकता है।

राष्ट्रीय विज्ञान दिवस केवल वैज्ञानिक उपलब्धियों को याद करने का दिन नहीं, बल्कि बच्चों और युवाओं में वैज्ञानिक सोच को विकसित करने का अवसर भी है। इसी को ध्यान में रखते हुए राष्ट्रीय विज्ञान दिवस 2025 की थीम 'विकसित भारत के लिए विज्ञान और नवाचार में भारतीय युवाओं का सशक्तीकरण' रखा गया है। इस थीम का उद्देश्य भारतीय युवाओं को विज्ञान और नवाचार में नेतृत्वकारी भूमिका निभाने के लिए सक्षम और प्रेरित करना है, ताकि भारत एक विकसित राष्ट्र बन सके।

बाबू केडी सिंह संग्रहालय के लिए पांच करोड़ जारी

» बाराबंकी, स्वराज इंडिया ब्यूरो।

अंतरराष्ट्रीय हॉकी खिलाड़ी एवं पद्मश्री सम्मानित बाबू केडी सिंह के पैतृक आवास को स्मृति संग्रहालय का रूप देने का काम जल्द शुरू हो जाएगा। शासन ने निर्माण कार्य को हरी झंडी देने के साथ ही पहली किश्त के रूप में पांच करोड़ रुपये जारी कर दिए हैं। इस खबर से रविवार को खेल प्रेमियों में खुशी की लहर दौड़ गई है। शहर के सिविल लाइन मोहल्ला स्थित 35 हजार स्क्वायर फीट में बनी बाबू केडी सिंह के पैतृक आवास को संग्रहालय का रूप देने की कवायद लंबे समय से चल रही थी।

बता दें कि राज्यमंत्री सतीश शर्मा समेत जनपद के अन्य जनप्रतिनिधियों ने हवेली को धरोहर के रूप में संग्रहीत करने को लेकर सीएम योगी आदित्यनाथ से मुलाकात की थी। जिला प्रशासन ने इसके लिए सभी तैयारी पूरी कर शासन में आने वाले व्यय का प्रस्ताव भेज दिया था। केवल शासन से हरी झंडी मिलने की देरी थी, जो अब मिल भी गई है। प्रदेश सरकार ने इस परियोजना के लिए 898.27 लाख रुपये की प्रशासकीय एवं वित्तीय स्वीकृति प्रदान कर दी है। यूपी प्रोजेक्ट्स कॉरपोरेशन लिमिटेड को कार्यदायी संस्था के रूप में नामित किया गया है।

प्रारंभिक परियोजना प्रस्ताव के तहत अनुमानित लागत 1021.00 लाख रुपये थी, जिसे पुनर्मूल्यांकन के बाद 898.27 लाख रुपये तय कर दिया गया है।

सरकार ने बाबू केडी सिंह के पैतृक आवास को स्मृति संग्रहालय बनाने के लिए प्रथम किश्त के रूप में 5 करोड़ रुपये चालू वित्तीय वर्ष 2024-25 में जारी किए हैं। यह संग्रहालय बाबू केडी सिंह की खेल उपलब्धियों को संजोने और नई पीढ़ी को प्रेरित करने का कार्य करेगा। वहीं, इस पहल से न केवल हॉकी प्रेमियों को लाभ मिलेगा, बल्कि यह स्थान एक ऐतिहासिक धरोहर के रूप में विकसित हो सकेगा। सरकार के इस कदम से खेल प्रेमियों व बाबू केडी सिंह के प्रशंसकों में हर्ष व्याप्त है।

केडी सिंह बाबू ने पूरी दुनिया में बाराबंकी के साथ देश का नाम रोशन किया था। अब उनकी पैतृक हवेली के संग्रहालय बनने का रास्ता साफ हो गया है। संग्रहालय बनाने के लिए कुल 8.98 करोड़ रुपये और पांच करोड़ की प्रथम किश्त जारी करने के लिए पूरे जनपद व खेल प्रेमियों की तरफ से मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का कोटि-कोटि आभार है।

– सतीश शर्मा, राज्य मंत्री, उत्तर प्रदेश सरकार।

चैत्र नवरात्रि एवं ईद-उल-फित्र की
हार्दिक शुभकामनाएं

अनिल सिंह
प्रधान प्रतिनिधि
ग्राम पंचायत, कुड़वा, विकास खंड हैदरगढ़, जिला बाराबंकी

चैत्र नवरात्रि एवं ईद-उल-फित्र की
हार्दिक शुभकामनाएं

जयराम
ग्राम प्रधान
ग्राम पंचायत जारमऊ विकास खंड हैदरगढ़ बाराबंकी

चैत्र नवरात्रि एवं ईद-उल-फित्र की
हार्दिक शुभकामनाएं
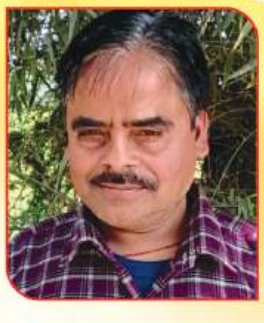
सुरेंद्र सिंह
प्रधान प्रतिनिधि
ग्राम पंचायत मंगौवा विकास खंड हैदरगढ़ जनपद बाराबंकी

युगाब्द ५१२६
विक्रम संवत् २०८२

आपको सपरिवार हिन्दू नववर्ष की
बहुत-बहुत बधाई एवं शुभकामनायें
"आओ मनायें नव संवत्सर"
दिनांक - 30 मार्च से 06 अप्रैल 2025 तक
आदर्श नगर पंचायत टिकैतनगर-बाराबंकी

-: विशेष आग्रह :-
• अपने-अपने घरों पर भगवा ध्वज लगवायें।
• अपने घर के पास मन्दिर पर विशेष साफ-सफाई करके मन्दिर परिसर को स्वच्छ तीर्थ बनाएं।
• अपने-अपने घरों के द्वार को सुसज्जित करके रंगोली बनाकर हिन्दू नववर्ष का स्वागत करें।
• अपने घरों के आस-पास मन्दिरों को जरूर सजाएं व 30 मार्च को भजन कीर्तन करें व प्रसाद वितरण/ग्रहण करें।
-: सभासदगण :-
श्रीमती कलावती, श्रीमती रेखा देवी
श्रीराजकुमार रावत, श्री सपन कुमार जैन
श्रीमती अर्चना देवी, श्रीमती लीला गुप्ता
श्री जुबेर अहमद, श्री आँशु विश्वकर्मा
श्री सीता देवी , श्री राजेश शर्मा

(शीलू अवस्थी)
अधिशाषी अधिकारी
नगर पंचायत टिकैतनगर
जनपद-बाराबंकी

जगदीश गुप्ता
चेयरमैन, टिकैतनगर, बाराबंकी,

रूरा में दर्दनाक सड़क हादसा,तेज रफ्तार डंफर की टक्कर से मां बेटी समेत 4 की मौत

» एक युवक गंभीर रूप से घायल,

आए दिन हो रही मौतों का कौन है जिम्मेदार ?

» एसपी बीबीजीटीएस मूर्ति ने मौके का लिया जायजा

» रूरा अकबरपुर रोड पर यमदूत की तरह दौड़ रहे ओवरलोड डंफर

मौके का जायजा लेते एसपी

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। जनपद के प्रमुख कस्बों की सड़कों पर बिना नंबर प्लेट ओवरलोड डंफरो का आतंक है। परिवहन विभाग द्वारा बिना नंबर प्लेट ओवरलोड डंफरो पर कोई भी कार्यवाही नहीं की जाती जिसका खामियाजा आम जनता को भरना पड़ता है आए दिन इन ओवरलोड डंफरो की चपेट में आने से हादसे होते रहते हैं जो कि हमें पेपर और चैनल के माध्यम से देखने और सुनने को मिलते हैं इतना सब होने के बाद भी जिम्मेदार कोई कार्यवाही नहीं करते जिसके चलते आज शिवली-रूरा मार्ग पर कारी गांव के पास तेज रफ्तार डंपर की चपेट में आकर बाइक सवार मां बेटी सहित तीन की मौत हो गई, जबकि बाइक चला रहा युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घायल को अस्पताल भेजा। जबकि डंपर कब्जे में लेकर फरार चालक की तलाश शुरू की है। रूरा थाना क्षेत्र के दौलतपुर निवासी राम शंकर के भाई सुखवीर सिंह की तीन दिन पहले मृत्यु हो गई थी। इसकी सूचना पर बिहारी पुरवा कन्नौज की रहने वाली उनकी तीस साल की बहन लल्ली पत्नी मुकेश अपनी चौदह साल की पुत्री मानवी के साथ दौलतपुर आई थी। इस समय वह पति के साथ दिल्ली में रह रही थी सोमवार को वह दिल्ली जाने के लिए पुत्री के साथ रूरा आ रही थी। उसको छोड़ने के लिए राम शंकर का अठारह साल का पुत्र सुधीर गांव के पैतीस वर्षीय बंकू पुत्र दिनेश के साथ बाइक से रूरा आ रहे थे। शिवली-रूरा मार्ग पर कारी गांव के पास तेज रफ्तार बिना नंबर के ओवरलोड डंपर ने उनकी बाइक में जोरदार टक्कर मार दी। इससे बाइक सवार मां बेटी सहित सुधीर की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि बंकू गंभीर रूप से घायल हो गया। हादसे की जानकारी पर पहुंचे परिजनों के बिलखने से कोहराम मच गया सूचना पर पहुंची पुलिस ने घायल को उपचार के लिए भिजवाने के साथ डंपर कब्जे में लेकर फरार चालक की तलाश शुरू की। इंस्पेक्टर रूरा जेपी सिंह ने बताया कि दुर्घटना के बाद फरार डंपर चालक की तलाश की जा रही है। शवों का पोस्टमार्टम कराने के लिए भेज दिया गया है। वहीं परिजनों की तहरीर मिलने के बाद अग्रिम कार्रवाई की जाएगी।

बाराबंकी में अमन और भाईचारे के साथ अदा की गई ईद की नमाज़

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

जैदपुर(बाराबंकी)। ईद-उल-फ़ित्र का जश्न धूमधाम से मनाया गया! जिलेभर में मुस्लिम समुदाय ने नमाज अदा कर देश में अमन, शांति और तरक्की की दुआ मांगी। खासकर ज़ैदपुर में ईद का नज़ारा बेहद खास रहा!

ज़ैदपुर में दोनों ईदगाहों में जुटी भारी भीड़, मुल्क की तरक्की और शांति के लिए मांगी गई दुआएं

ज़ैदपुर की पुरानी ईदगाह बड़ापुरा में सुबह 07:30 बजे और बड़ी ईदगाह (थाना चौराहा) में 08:00 बजे नमाज अदा की गई।

नमाज के दौरान प्रशासन पूरी तरह मुस्तैद दिखा। सुरक्षा के लिहाज से भारी पुलिस बल मौके पर तैनात रहा?

ताकि त्योहार बिना किसी रुकावट के शांतिपूर्ण माहौल में मनाया जा सके।

ईद की नमाज के

बाद लोगों ने एक-दूसरे को गले लगाकर ईद मुबारक कहा और मोहब्बत का पैगाम दिया। ज़ैदपुर अध्यक्ष प्रतिनिधि दाऊद अलीम ने भी सभी को ईद की मुबारकबाद दी और नमाज को सकुशल संपन्न कराने के लिए ज़ैदपुर पुलिस प्रशासन का आभार जताया ।ईद के मौके पर चारों तरफ खुशी का माहौल नजर आया

, बाजारों में रौनक बढ़ी और लोगों ने सेवइयों और मिठाइयों का जमकर लुत्फ उठाया! कुल मिलाकर बाराबंकी में ईद का त्योहार इस बार भी अमन, भाईचारे और सौहार्द का संदेश देता नजर आया!

पुलिस चौकी में फंदे से लटकता मिला होमगार्ड का शव

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

अयोध्या। कटरा पुलिस चौकी में तैनात एक होमगार्ड जवान का शव चौकी परिसर में फंदे से लटकता मिला, जिससे इलाके में हड़कंप मच गया। मृतक की पहचान विंध्याचल मिश्रा (पुत्र विजय मिश्रा), उम्र लगभग 35 वर्ष के रूप में हुई है। यह घटना थाना राम जन्मभूमि क्षेत्र के कटरा पुलिस चौकी की है सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है और परिजनों के बयान का इंतजार किया जा रहा है। मृतक के परिवारजन इस घटना से गहरे सदमे में हैं और होमगार्ड की मौत को लेकर कई सवाल खड़े कर रहे हैं। फिलहाल पुलिस सभी पहलुओं पर जांच कर रही है। इस दर्दनाक घटना के बाद क्षेत्र में दहशत का माहौल है और लोग जवान की मौत के कारणों को लेकर चुप्पी साधे हुए हैं।

सेवानिवृति होने पर ब्लॉक संसाधन केन्द्र परिसर में आयोजित किया गया विदाई समारोह

सेवानिवृति होने के बाद भी लिया संकल्प उसी स्कूल में देंगे निशुल्क शिक्षा

» शिक्षक कभी भी रिटायर नहीं होता, जीवन भर देता है शिक्षा...

» शिक्षक ही राष्ट्र का धरोहर है

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। ब्लॉक संसाधन केन्द्र मलासा में शनिवार को सेवानिवृति होने पर शिक्षक समारोह का आयोजन किया गया। विदाई समारोह में विद्यालय के छात्र-छात्रा व शिक्षकों के साथ कई ग्रामीणों ने उदगार व्यक्त किया। इस अवसर पर स्कूल के इंचार्ज प्रधानाचार्य ओर अन्य स्कूल के शिक्षक गण मान्य ने सेवानिवृति इंचार्ज प्रधानाचार्य अध्यापक राम कुमार को अंग वस्त्र ओर फूल माला पहना कर स्वागत किया गया।

साथ ही सेवानिवृत्त शिक्षक को भी सम्मानित किया गया। उनके लंबे समय तक शिक्षा क्षेत्र में योगदान दिया है। ये हम नहीं उनके मार्ग दर्शक ही बता रहे हैं।और उन्हें इस अवसर पर विशेष सम्मान प्रदान किया गया। संगठन के अध्यक्ष इंद्रजीत सिंह, सर्वेश सिंह ने कहा,आज का दिन हमारे लिए गौरव के प्रतीक के साथ-साथ हमारे बच्चों के उज्जवल भविष्य का भी प्रतीक है।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए अध्यक्ष ने कहा कि शिक्षक की सेवा बहुत अद्वितीय होती है। कारखानों और अन्य संस्थाओं में काम करने वाले अधिकांश लोगों का संबंध निर्जीव तत्वों से होता है, लेकिन एक शिक्षक का संबंध बच्चों से होता है, जिनका मन सदैव उछलकूद करता रहता है। बच्चों के मन को काबू करके उनको शिक्षित करने का काम एक कुशल शिक्षक ही कर सकता है। सेवानिवृत्त गुरुजनों ने एक शिल्पकार की भांति बच्चों को गढ़कर देश के योग्य नागरिक बनाने का काम आजीवन किया है। उन्होंने कहा कि शिक्षा के प्रति समर्पण के साथ-साथ इसे जीवन मंत्र बनाने के लिए शिक्षकों की सराहना की जानी चाहिए। एक शिक्षक आजीवन ज्ञान की धारा से जुड़े रहते हैं।

वह कार्य से निवृत हो सकता है, लेकिन शिक्षाकार्य से कभी निवृति नहीं ले सकता है। शिक्षा विशारदों को गुरु एवं शिष्य की प्राचीन पावन परंपरा को फिर से स्थापित करने की दिशा में काम करना चाहिए, ताकि विद्यार्थीगण आजीवन अपने शिक्षकों को स्मरण करें। माता-पिता बच्चे को जन्म देते हैं। उनका स्थान कोई नहीं ले सकता, लेकिन एक शिक्षक ही है जिसे हमारी भारतीय संस्कृति में माता-पिता के बराबर दर्जा दिया जाता है, क्योंकि शिक्षक ही हमें समाज में रहने योग्य बनाता है। शिक्षक को समाज का शिल्पकार कहा जाता है। सेवानिवृत शिक्षक राम कुमार ने कहा कि सेवानिवृत्ति के बाद भी शिक्षकों को ऊर्जावान बने रहना चाहिए। राजकीय सेवा से निवृत होने के बाद समाज सेवा संलग्न होकर समाज और देशहित में अधिक जोश के साथ जुटना चाहिए। सिविलियन जूनियर विद्यालय के सहायक अध्यापक विकास कटियार,और कौशल किशोर ने कहा कि समाज में काम तो कई तरह के हैं, लेकिन शिक्षक की जिम्मेदारी सर्वाधिक है। एक शिक्षक को केवल वर्तमान देखकर नहीं, बल्कि भविष्य देखकर भी कार्य करना होता है। इस कार्यक्रम में अध्यापक ज्योति देवी, विवेक कुमार, धीरेंद्र, इंद्रजीत, सर्वेश, अविनाश, सोहन, प्रमोद, अर्पित, माधव, आशीष, अंकित, सपना, वंदना, सोनम, अंश, मधु, प्रदीप, प्रजापति, अमित प्रजापति, विशाल, आदि ओर लोग मौके पर उपस्थित रहे।

एनसीडी स्क्रीनिंग में लापरवाही पर तीन सीएचओ व पांच एएनएम को नोटिस, मांगा गया स्पष्टीकरण

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात, राजपुर। स्वास्थ्य विभाग ग्रामीण स्तर पर बेहतर सुविधाएं पहुंचाने का दावा कर रहा है। मगर आंकड़े कुछ और ही बयां कर रहे हैं। राजपुर ब्लॉक क्षेत्र में सीएचओ व एएनएम एनसीडी स्क्रीनिंग में लापरवाही बरत रहे है। जिसपर पीएचसी अधीक्षक ने पांच एएनएम व तीन सीएचओ को नोटिस देकर स्पष्टीकरण तलब किया है। एनसीडी स्क्रीनिंग के तहत लोगों की बीपी, शुगर सहित अन्य कई तरह की जांच होती है, लेकिन कुछ सीएचओ एनसीडी स्क्रीनिंग कार्य में लापरवाही बरत रहे हैं। पिछले माह में आशाओं ने सीबीएसी फॉर्म भरे थे। उसके सापेक्ष एनसीडी स्क्रीनिंग की गई। इधर एनसीडी स्क्रीनिंग कराने पर शासन का ज्यादा जोर है। मगर कुछ सीएचओ एनसीडी स्क्रीनिंग करने में लापरवाही बरत रहे हैं। राजपुर पीएचसी प्रभारी डॉ अरुणेंद्र प्रताप सिंह ने हरिहरपुर, राजपुर, रमऊ, खासबरा व मिरगांव एएनएम सेंटरों के अलावा मिरगांव, खासबरा व रमऊ आरोग्य मंदिरों में एनसीडी स्क्रीनिंग की समीक्षा की। खराब प्रगति मिलने पर पीएचसी प्रभारी ने सभी आठ सेंटरों में एएनएम व सीएचओ को नोटिस थमाकर स्पष्टीकरण तलब किया है।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक सपना देवी द्वारा हर्षिता प्रिंटर्स 127/875, साकेत नगर, कानपुर नगर- 208012 (उप्र) से मुद्रित व 119/13, दर्शनपुरवा, कानपुर नगर- 208012 (उप्र) से प्रकाशित। **संपादकः** अनूप कुमार **RNI No.:** UPHIN/2023/86769 | **Email:** swarajindia2023@gmail.com | **Mob:** 7800009853, | **Website:** www.swarajindianews.com | **प्रधान संपादक रतन प्रकाश सिंह (समस्त वाद-विवाद कानपुर न्यायालय के अधीन होंगे)**

शादी के 16 साल बाद 14 साल छोटे देवर पर आया भाभी का दिल

» पति कानूनी कार्रवाई के लिए लगा रहा अफसरों के चक्कर

» कलयुगी आंधी में बड़े बड़े रिश्ते हो रहे बेजार

पति और अपने तीन बच्चों को ठुकराकर महिला ने प्रेमी देवर से मंदिर में कर ली शादी

निर्मल तिवारी, स्वराज इंडिया

कानपुर देहात। इस समय कलयुग की ऐसी आंधी चल रही है जिसमें बडे बडे रिश्ते धराशाई हो रहे हैं। बीते दिनों मेरठ में प्रेमी के चक्कर में पति को मारकर ड्रम में भरने वाली स्टोरी तो आपने पढी ही होगी, इसके बाद औरेया जनपद में भी खौफनाक वारदात में युवती ने अपनी शादी के 15 दिन के अंदर पति की सुपारी देकर हत्या करा दी। ऐसी लगातार सामने आ रही घटनाओं से सामाजिक संतुलन हिल गया और तमाम तर्क और वितर्क का माहौल गम है। अब ताजा मामला कानपुर देहात जिले से सामने आया है। यहां पर शादी के 16 साल बाद महिला ने 14 साल छोटे देवर से मंदिर में शादी रचा ली है।

पहले पति के साथ की तस्वीर

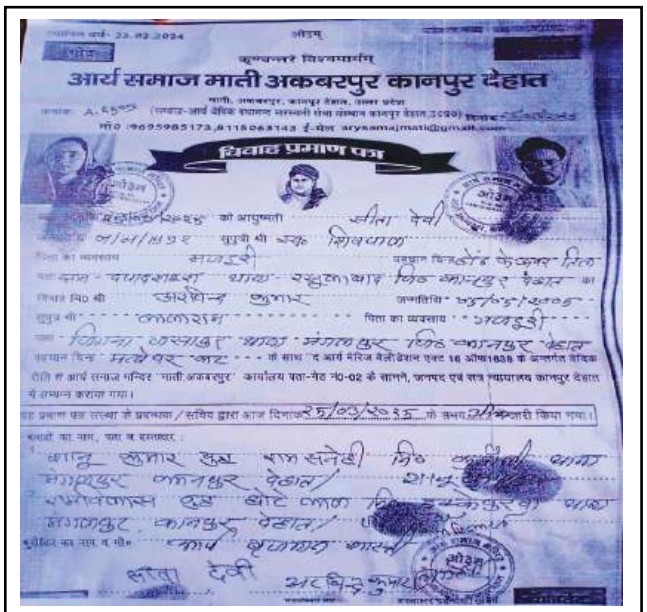

पहली शादी के तीन बच्चे

प्रकरण, मंगलपुर थाना क्षेत्र के जिगना गांव का है। 16 वर्ष पहले महादेव पुत्र गजराज की शादी सीता पुत्री शिवपाल निवासी दया दशहरा गांव के रसूलाबाद से हुई थी।दोनों बड़े आराम से जीवन यापन कर रहे थे दोनों के अब तीन बच्चे भी हैं, दो बेटी एक बेटा बड़ी बेटी 13 वर्ष, बेटा 10 वर्ष और छोटी बेटी 07 वर्ष, इसी बीच पत्नी सीता का खुद 14 वर्ष छोटे अपने पति के चचेरे भाई अरविन्द से अवैध सम्बन्ध हो गए, यानी पत्नी को इश्क का भूत चढ़ गया।

वक़्त ऐसा आया कि पत्नी घर से कुछ नगदी व लगभग दो लाख रुपये के जेवर लेकर प्रेमी के साथ भाग गई, और दोनों पंहुचे माती कोर्ट के पास आर्य समाज नामक तथाकथित संस्था में जहाँ इनकी शादी करा दी गई।अब पति थाना अदालत घूम रहा है उसे कोई न्याय नहीं दे रहा पुलिस एफआईआर दर्ज़ नहीं कर रही समझ में नहीं आता कि कानून के रखवाले अपने कर्तव्य से कैसे मुँह मोड़ लेते हैं....लोगों का कहना है कि सीता और उसके प्रेमी पर कठोर कार्यवाही सुनिश्चित होनी चाहिये अन्यथा समाज असन्तुलित और भयहीन हो जायेगे

अकबरपुर में शिक्षा सेतु पत्रिका का विमोचन...

मरम्मत कार्य का बीआरसी में हुआ लोकार्पण

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। ब्लॉक संसाधन केंद्र अकबरपुर में शनिवार को बेसिक शिक्षा विभाग के अंतर्गत कई कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। समस्त कार्यक्रमों का आयोजन मनोज कुमार सिंह खंड शिक्षा अधिकारी अकबरपुर के द्वारा किया गया। समग्र शिक्षा अभियान के अंतर्गत सत्र 2024-25 में ब्लॉक संसाधन केंद्र अकबरपुर हेतु स्वीकृत वृहत निर्माण मरम्मत कार्य का लोकार्पण परियोजना निदेशक/जिला विकास अधिकारी कानपुर देहात वीरेंद्र सिंह के द्वारा किया गया। इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि के रूप में जिला विद्यालय निरीक्षक बृजभूषण चौधरी एवं सह जिला विद्यालय निरीक्षक कुलदीप वर्मा की उपस्थिति रही। इस अवसर पूर्व एबीआरसी अरविंद सिंह सेंगर एसआरजी संत कुमार दीक्षित आनंद कुमार त्रिवेदी एआरपी नवजोत सिंह अजय प्रताप सिंह मंजुल मिश्र ज्योत्सना गुप्ता सत्येंद्र कुमार सिंह अरुण कुमार (लिपिक) मुस्तकीम मंसूरी अनुराग श्रीवास्तव हिमांशु त्रिपाठी अरुण कटियार देव प्रकाश सिंह जितेंद्र कुमार जगदीश कुमार प्रमोद बाजपेई शरद यादव शरद द्विवेदी प्रताप भानु सिंह गौर कंचन कामिनी शहनाज बेगम संगीता मिश्रा कल्पना सोनी संगीता दीक्षित मंजरी सिंह आदि शिक्षकगण एवं समस्त कार्यालय स्टाफ उपस्थित रहा।ब्लॉक संसाधन केंद्र में 3 वर्षों से कार्यरत एआरपी का कार्यकाल पूर्ण होने के कारण समस्त एआरपी को आशुतोष त्रिपाठी वित्त एवं लेखाधिकारी बेसिक शिक्षा कानपुर देहात मनोज कुमार सिंह खंड शिक्षा अधिकारी अकबरपुर के द्वारा उत्कृष्ट सेवा के लिए प्रमाण पत्र प्रदान करते हुए विदाई समारोह का आयोजन भी किया गया।

इस अवसर पर समस्त एआरपी नवजोत सिंह अजय प्रताप सिंह मंजुल मिश्र ज्योत्सना गुप्ता सत्येंद्र कुमार सिंह एवं ब्लॉक के शिक्षक-शिक्षिकाएं उपस्थित रहीं। ब्लॉक स्तर पर आयोजित होने वाली प्रधानाध्यापक एवं विद्यालय प्रबंध समिति के अध्यक्ष की एक दिवसीय उन्मुखीकरण कार्यशाला का आयोजन भी खंड शिक्षा अधिकारी मनोज कुमार सिंह के द्वारा किया गया।

उक्त कार्यशाला में 197 विद्यालयों में से कार्यरत लगभग 350 प्रधानाध्यापक / इंचार्ज प्रधानाध्यापक एवं एसएमसी अध्यक्ष के द्वारा प्रतिभाग किया गया। उक्त कार्यशाला में प्रशिक्षक के तौर पर प्रमोद बाजपेई शरद यादव मुस्तकीम मंसूरी विनय पांडे के द्वारा समस्त प्रतिभागियों को विद्यालय प्रबंध समिति के दायित्वों के प्रति जागरूक किया गया तथा विद्यालय स्तर पर प्रबंधन समितियों के माध्यम से विद्यालय स्तर पर विकास योजना बनाकर प्रभावी क्रियान्वयन हेतु सुझाव दिए गए। कार्यक्रम में विभिन्न प्रतियोगिताओं / परीक्षा में चयनित विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया।राष्ट्रीय आय एवं योग्यता आधारित परीक्षा में 19 उत्तीर्ण छात्र-छात्राओं को प्रमाण पत्र देकर पुरस्कृत किया गया। राष्ट्रीय आविष्कार अभियान के अंतर्गत 5 चयनित छात्र/छात्राओं को पुरस्कृत किया गया।

इंस्पायर अवार्ड परीक्षा में चयनित 7 छात्र-छात्राओं को पुरस्कृत किया गया। विद्याज्ञान परीक्षा में चयनित 9 छात्र-छात्राओं को पुरस्कृत किया गया। मंडल स्तर पर खेलकूद प्रतियोगिता में विजेता टीम को प्रमाण पत्र देकर पुरस्कृत किया गया। एकांकी टीम में पीएमश्री विद्यालय रोशनमऊ के छात्र-छात्राओं को राज्य स्तर पर तीसरा स्थान प्राप्त करने पर प्रमाणपत्र देकर पुरस्कृत किया गया।

विकास कार्यों में मनमानी पर तीन ग्राम सचिव निलंबित

- जांच समिति को मिली वित्तीय अनियमितता, प्रधानों पर भी की जाएगी कार्रवाई
- करियाझाला ग्राम पंचायत में बड़ी कार्रवाई की है
- भुगतान करते समय फर्मों के बिल से आयकर, जीएसटी, टीडीएस की नहीं की कटौती
- 2022-24 वर्ष के बीच हुए विकास कार्यों में पाई गई बड़ी गड़बड़ी
- 577290 रुपये प्रधान के सगे भाई के निजी खाते में डाले

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। ग्राम पंचायतों में हैंडपंप रिबोर, मरम्मत, इंटरलॉकिंग कार्य के साथ अन्य विकास कार्यों में मनमाने ढंग से भुगतान हो रहा है। राजपुर व झींझक ब्लॉक के दो ग्राम पंचायतों में मनमाने ढंग से कार्य करा भुगतान करने में वित्तीय अनियमितता की गई। जांच के बाद तीन सचिव को निलंबित कर विभागीय जांच बैठाई गई है। वहीं, एक सचिव व दो प्रधानों पर कार्रवाई की तलवार लटक गई है।

जिले की ग्राम पंचायतों में ग्राम प्रधान व पंचायत सचिवों का गठजोड़ पंचायती राज विभाग पर हावी है। मनमाने ढंग से कार्य करा चहेतों को भुगतान किए जा रहे हैं। इस तरह की लगातार आ रही शिकायतों के बाद पंचायती राज विभाग एक के बाद एक बड़ी कार्रवाई कर रहा है। अब पंचायती राज विभाग ने राजपुर ब्लॉक के रसधान व झींझक ब्लॉक केकरियाझाला ग्राम पंचायत में बड़ी कार्रवाई की है।

जिला पंचायत राज अधिकारी के मुताबिक करियाझाला ग्राम पंचायत में वित्तीय अनियमितता किए जाने की शिकायत दिनेश बाबू व विमल कुमार ने शपथ पत्र के साथ की थी। इस मामले में कराई गई जांच में जिला स्तरीय समिति को वर्ष 2022 से 2024 के बीच हुए विकास कार्यों में गड़बड़ी मिली। इन वित्तीय वर्षों में हैंडपंप मरम्मत, रिबोर के नाम पर 5, 19, 635 रुपये की धनराशि खर्च की गई। मगर भुगतान करते समय फर्मों के बिल से आयकर, जीएसटी, टीडीएस की कटौती नहीं की गई।इस प्रकार 20, 785 रुपये राजकोष को क्षति पहुंचाई गई। इसी ग्राम पंचायत के मजरा छतरसा में धीरज के घर से मुनीम के घर तक 3, 43, 241 लाख रुपये से इंटर लॉकिंग कार्य कराया गया। भुगतान करते समय 13, 730 रुपयेटैक्स की कटौती न कर राजकोष को नुकसान पहुंचाया गया। इतना ही नहीं पंचायत सचिव ने गांव में कराए गए कार्यों में लगे मजदूर व अन्य मदों का 5, 77, 290 लाख रुपया प्रधान के सगे भाई अनुज कुमार के निजी खाते में कर दिया। जिसे वित्तीय अनियमितता व गबन की श्रेणी माना गया है। इस तरह उक्त कार्यकाल के दौरान तैनात रहे ग्राम पंचायत सचिव देवी प्रसाद व विवेक कुमार को वित्तीय अनियमितता कर मनमाने ढंग से कार्य कराने का दोषी माना गया। डीपीआरओ ने दोनों को निलंबित कर कार्यालय में संबद्ध किया है। वहीं राजपुर ब्लॉक के रसधान ग्राम पंचायत में वित्तीयअनियमितता कर विकास कार्य कराने की शिकायत हुई। जिस पर जिला स्तरीय जांच समिति ने नौ बिंदुओं पर जांच की तो कई अनियमितता सामने आईं।इसमें 3.06 लाख की लागत से मिलन केंद्र के सामने इंटरलॉकिंग निर्माण, 3.23 लाख की लागत से भूरा की दुकान से गुड्डू की दुकान तक इंटरलॉकिंग व 2.96 लाख की लागत से नवाब के घर से सरिता के घर तक इंटर लॉकिंग कार्य मानक विहीन पाए गए। पंचायत के अन्य कार्यों में शासनादेश का उल्लंघन किया गया। इस पर डीपीआरओ ने तत्कालीन पंचायत सचिव छत्रपाल सिंह को निलंबित किया है।

एक सचिव पर अभी और लटकी निलंबन की तलवार

झींझक ब्लॉक के करियाझाला में पंचायत सचिव देवी प्रसाद, विवेक कुमार के निलंबन के साथ ही तत्कालीन ग्राम विकास अधिकारी अनिल कुमार पर भी कार्रवाई की तलवार लटक गई है। जिला पंचायत राज अधिकारी ने वर्ष 2022 से 2024 के बीच की गई मनमानी व वित्तीय अनियमितता में उन्हें भी दोषी माना है। इसके लिए जिला विकास अधिकारी को कार्रवाई के लिए पत्र भेजा गया है।

ग्राम प्रधानों पर भी होगी जल्द ही कड़ी कार्रवाई

ग्राम पंचायतों में कराए जा रहे विकास कार्यों में बिना प्रधान की मिलीभगत से गड़बड़ी संभव नहीं है। विभाग ने भी ऐसा ही माना है। करियाझाला व रसधान पंचायत में कराए गए विकास कार्य, मनमाने ढंग से भुगतान करने में जहां पंचायत सचिवों पर कार्रवाई की गई है। वहीं अब प्रधानों पर कार्रवाई के लिए रिपोर्ट तैयार की जा रही है। विभाग कड़ी कार्यवाही की तैयारी की जा रही है।

डीपीआरओ विकास पटेल

ग्राम पंचायतों में बिना जीएसटी के हो रहे भुगतान

कानपुर देहात। जिले में 618 ग्राम पंचायतों में तैनात सचिवों को लगातार शासनादेश के तहत काम करने का पाठ पढ़ाया जा रहा है। इसके बाद भी मनमानी कर वित्तीय अनियमितता की जा रही है। कुछ ग्राम पंचायतों को छोड़ दें तो कई ग्राम पंचायतों में वर्ष 2022 में लागू हुए जीएसटी भुगतान नियम का पालन न किया जा रहा है। इससे राजकोष को नुकसान पहुंच रहा है। पंचायत में भुगतान को लेकर हो रही मनमानी से विभाग भी अनजान है। अब तक हुए ऑडिट में जीएसटी भुगतान पर जिम्मेदारों ने गौर नहीं किया। अब एक के बाद एक मामले पकड़ में आ रहे हैं।कार्रवाई की तैयारी में है।

अकीदत के साथ अदा हुई ईद-उल-फित्र की नमाज

गले मिल कर एक दूसरे को दी मुबारकबाद

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

अयोध्या। जिले भर में ईद-उल-फितर का पावन पर्व उल्लास के साथ मनाया जा रहा है। रमजान के रोजे के बदले में अल्लाह की ओर से तोहफे के रूप में ईद की नमाज अकीदत और एहतराम के साथ अदा की गई। शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में ईद को लेकर सुरक्षा के व्यापक इंतजाम रहे।सिविल लाइन स्थित ईदगाह में जामा मस्जिद टाटशाह के इमाम काजी ए शहर मौलाना शमशुल कमर कादरी ने ईद की नमाज पढ़ाई। इस दौरान अपने खुतबे में उन्होंने कहा कि ईद का पर्व आपसी भाईचारा और सौहार्द को मजबूत करता है। उन्होंने कहा कि गंगा जमुनी तहजीब के शहर में सभी ने भाईचारे का सदा संदेश दिया है। वहीं जवाहर अली खां स्थित शिया जामा मस्जिद में प्रख्यात मौलाना अहमद अली आब्दी ने नमाज पढ़ाई। उन्होंने भी ईद का महत्व बताते हुए जरूरतमंदों की मदद करने की अपील की। चौक में मस्जिद हसन रजा वक्फ में वसीका अरबी कालेज के प्रिसिंपल प्रख्यात मौलाना मोहम्मद मोहसिन ने नमाज पढ़ाई। ईदगाह में लोगों को मुबारकबाद देने के लिए सांसद अवधेश प्रसाद, पूर्व मंत्री तेज नारायण पांडेय पवन, आईजी प्रवीण कुमार, जिलाधिकारी चंद्र विजय सिंह, एसएसपी राज करन नैय्यर समेत अन्य ने लोगों को बधाई दी और जिलाधिकारी ने बच्चों को उपहार स्वरूप चाकलेट प्रदान की।

नए शैक्षिक सत्र में सजेंगे परिषदीय विद्यालय, स्वागत में बरसेंगे फूल

- नौनिहालों का तिलक लगाकर होगा स्वागत
- महानिदेशक का पत्र आने पर तैयारी में जुटा बेसिक शिक्षा विभाग
- सभी स्कूलों में नौनिहालों का तिलक लगाकर होगा स्वागत

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर । परिषदीय विद्यालयों में एक अप्रैल से शुरू होने वाले नए सत्र को धूमधाम से मनाया जाएगा। पहले दिन आने वाले बच्चों का तिलक लगाकर स्वागत होगा और उन पर फूल भी बरसाए जाएंगे ताकि बच्चे विद्यालय आने के लिए प्रेरित हों। महानिदेशक स्कूल शिक्षा के आदेश को प्रभावी बनाने में बेसिक शिक्षा विभाग तैयारी में लग गया है। परिषदीय विद्यालयों में शैक्षिक सत्र 2025-26 में अधिकाधिक बच्चों का नामांकन सुनिश्चित करने पर जोर दिया जा रहा है। विशेषकर ऐसे स्कूलों में जहां पिछले सत्र में नामांकन कम रहा है। वहां सभी शिक्षकों से बच्चों का नामांकन करने को कहा गया है इसी के साथ विद्यालयों के प्रति बच्चों में लगाव पैदा हो, नए सत्र पर विद्यालयों को फूल, पत्तियों, गुब्बारों व व पेड़-पौधों की झंडियां के जरिए सजाने का निर्देश दिया गया। आकर्षक रंगोली बनाई जाएगी। पहले दिन विद्यालय पहुंचने वाले बच्चों का शिक्षक गेट पर ही तिलक लगाकर व फूल बरसाकर स्वागत करेंगे। साथ ही एक अप्रैल को नए सत्र के पहले दिन प्रत्येक विद्यालयों में मिड-डे-मील में हलवा व खीर बनाकर बच्चों को परोसा जाएगा। पहले चरण में एक से 15 अप्रैल तथा दूसरे चरण में एक से 15 जुलाई तक स्कूल चलो अभियान चलेगा। प्रधानाध्यापकों को महानिदेशक स्कूल शिक्षा के निर्देशों का पालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं ताकि नए सत्र की शुरुआत सफलतापूर्वक हो सके। इस बार परिषदीय स्कूलों में नए सत्र की शुरुआत उत्साह और उमंग के साथ होगी।

एक अप्रैल से खुल रहे स्कूल, बच्चों में उत्साह

मुख्य संवाददाता स्वराज इंडिया

कानपुर। नया शैक्षणिक सत्र एक अप्रैल से शुरू हो रहा है। 30 मार्च रविवार व 31 मार्च ईद-उल-फितर त्योहार की छुट्टी के बाद मंगलवार से सभी स्कूल खुल रहे हैं। स?कूलों में नए सत्र के पहले दिन को उत्सव के रूप में मनाया जायेगा। बच्चों को आकर्षित करने के लिए स्कूलों में सजावट करने के भी निर्देश दिए गए हैं। स्कूल पहुंचे बच्चों का शिक्षकों द्वारा तिलक लगाकर और पुष्प वर्षा कर स्वागत करने को कहा गया है। साथ ही परीक्षा में अच्छा प्रदर्शन करने वाले बच्चों को कापी-पेंसिल आदि देकर पुरस्कृत भी किया जायेगा।

स्कूलों में एक तरफ जहां रौनक देखने को मिलेगी वहीं दूसरी तरफ बच्चों में भी उत्साह देखने को मिलेगा। कक्षाकक्ष में शिक्षकों द्वारा जहां एक ओर शिक्षा प्रदान की जाएगी वहीं दूसरी तरफ बच्चों द्वारा एक दूसरे को अपना परिचय दिया जाएगा और वह अपने नए दोस्त बनायेंगे। बताते चलें स्कूल में बच्चे पढ़ाई के अलावा अनुशासन और दूसरी बहुत सी जानकारियां प्राप्त करते हैं साथ ही सभी कार्य टाइम टेबल के अनुसार व्यवस्थित तरीके से करने के आदी भी हो जाते हैं। छुट्टियों में बच्चों की पढ़ाई का रूटीन बिगड़ जाता है लेकिन अब स्कूल खुल गए हैं तो बच्चों के पढ़ने का जो रूटीन है वह फिर से ठीक हो जाएगा। परिषदीय स्कूलों के साथ-साथ सीबीएसई, आईसीएसई स्कूलों में एक अप्रैल मंगलवार से नया शैक्षिक सत्र 2025-26 शुरू हो रहा है। इसी के साथ स्कूल खुलने का समय भी बदल गया है। स्कूल सुबह आठ बजे से खुलेंगे और अपराह्न दो बजे बंद होंगे। नई कक्षा में पहुंचे बच्चे पढ़ने के लिए उत्साहित हैं तो वहीं कक्षा एक में प्रवेश के लिए परिषदीय स्कूलों में स्कूल चलो अभियान भी शुरू हो रहा है। सत्र के शुरुआती माह में ही सरकारी स्कूलों के बच्चों को पाठ्य पुस्तकें मिलने की संभावना है। दूसरी ओर कई प्राइवेट स्कूलों ने प्रवेश लेना बंद कर दिया है क्योंकि उनके यहां छात्र नामांकन पूर्ण हो चुका हैं तो कई स्कूलों में प्रवेश प्रक्रिया चल भी रही है। ये स्कूल अपनी सुविधानुसार दोपहर तक कक्षाओं का संचालन करते हैं।

ईद पर सद्भाव एवं सामाजिक सौहार्द को सुदृढ़ करने का संकल्प लेना चाहिए: मुख्यमंत्री योगी

सीएम योगी और मौलाना राशिद फिरंगी ने सभी देशवासियों को बधाई दी है

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो।

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने ईद उल फितर की सभी प्रदेशवासियों को शुभकामनाएं दी हैं। उन्होंने इसे खुशी और मेल मिलाप का संदेश देने वाला पर्व बताया है। त्योहार को देखते हुए प्रदेश भर में सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए हैं। मुख्यमंत्री कार्यालय की तरफ से इस संबंध में सोशल मीडिया एक्स हैंडल पर पोस्ट भी किया गया। इस पोस्ट में ईद उल फितर की सभी प्रदेशवासियों को बधाई दी गई। पोस्ट में कहा गया कि मुख्यमंत्री जी ने कहा कि ईद-उल-फितर का त्योहार खुशी और मेल-मिलाप का संदेश लेकर आता है।

पोस्ट में आगे कहा गया कि खुशियों का यह त्योहार सामाजिक एकता को मजबूत करने के साथ ही, आपसी भाईचारे की भावना को बढ़ाता है। यह पर्व अमन-चैन और सौहार्द का संदेश देता है। इस पर्व पर सभी को सद्भाव तथा सामाजिक सौहार्द को और सुदृढ़ करने का संकल्प लेना चाहिए।

इस्लामिक सेंटर ऑफ इंडिया के मौलाना खालिद राशिद फिरंगी ने ईद-उल-फितर के मौके पर देशवासियों को मुबारकबाद दी। उन्होंने कहा कि आज पूरा देश ईद का त्योहार मना रहा है। सुबह से ही बच्चे, बूढ़े और जवान नहा-धोकर ईदगाह की ओर जा रहे हैं। मौलाना ने लोगों से कुछ खास बातों का ध्यान रखने की अपील की।

27 साल से लगातार ईदगाह पर आता हूं

इस मौके पर पूर्व डिप्टी सीएम डॉ. दिनेश शर्मा ने सभी को ईद की बधाई दी। उन्होंने कहा कि मैं बीते 27 साल से लगतार ईद के मौके पर ईदगाह पर आता हूं और सभी को बधाई देता हूं। आप सभी को ईद की बहुत-बहुत बधाई।

मौलाना ने कहा, मैं सभी देशवासियों को ईद की दिली मुबारकबाद देता हूं। इस्लामिक सेंटर ऑफ इंडिया, फिरंगी महल, लखनऊ ने इस साल भी ईद एडवाइजरी जारी की है। मेरी गुजारिश है कि इसे मानें। जल्दी ईदगाह पहुंचें ताकि आपको वहां जगह मिल सके। जितना आगे खड़े होंगे, उतना ज्यादा सवाब मिलेगा।

कोशिश करें कि नमाज ईदगाह के अंदर ही हो, सड़कों पर न पढ़ें। इससे कोई विवाद या परेशानी नहीं होगी।

ईद की नमाज से पहले गरीबों में फितरा जरूर बांट दें

उन्होंने आगे कहा, ईद की नमाज से पहले गरीबों में फितरा जरूर बांट दें। इससे वे भी हमारी खुशियों में शामिल हो सकेंगे। ईद का दिन अल्लाह की ओर से रोजेदारों के लिए इनाम का दिन है। आज दुआएं कबूल होती हैं। अपने और परिवार के लिए दुआ करें, साथ ही देश की तरक्की और सुरक्षा के लिए भी दुआ मांगें। मौलाना ने इस मौके पर एकता और भाईचारे का संदेश दिया।

ईदगाह पर पहुंचे सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव, दी बधाई

ईद का त्योहार पूरे देश में हर्षोल्लास के साथ मनाया जा रहा है। प्रदेश में अलग-अलग जगहों पर ईद की नमाज पढ़ी गई और सभी ने एक दूसरे को ईद की बधाई दी है। इस मौके पर सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव लखनऊ स्थित ईदगाह पर पहुंचे और सभी को ईद की बधाई और शुभकामनाएं दीं।

इस मौके पर कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष अजय राय, उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक और पूर्व डिप्टी सीएम व राज्यसभा सदस्य डॉ. दिनेश शर्मा भी मौजूद रहे। उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने सभी को प्रदेश सरकार की तरफ से ईद की मुबारकबाद दी।

श्रद्धा जैसे हत्याकांड पर अंकुश लगाएगा यूसीसी

बरेली में बोले उत्तराखंड के सीएम पुष्कर सिंह धामी

» बरेली, स्वराज इंडिया ब्यूरो।

उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि समान नागरिक संहिता (यूसीसी) कानून संविधान का मूल है, जिसे उत्तराखंड में लागू करके संविधान निर्माताओं को सच्ची श्रद्धांजलि अर्पित की है। समान कानून से तीन तलाक, हलाला जैसी घटनाओं पर प्रभावी अंकुश लगेगा। लिव इन रिलेशनशिप पंजीकरण से दिल्ली के श्रद्धा हत्याकांड नहीं होंगे। कानून लागू करने की वजह ये भी है कि ऐसी घटनाओं को देख नहीं सकता। उम्मीद है कि देवभूमि की नदियों की भांति ये कानून भी पूरे भारत तक पहुंचेगा।

उत्तराखंड में समान नागरिक संहिता कानून लागू करने पर मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी का बरेली में स्वागत किया गया। इन्वर्टिस यूनिवर्सिटी में सोमवार का आयोजित स्वागत और अभिनन्दन समारोह में धामी ने कहा कि कानून लागू होने के बाद से जब भी उत्तराखंड की मुस्लिम महिलाएं उनसे मिलती हैं तो आभार जताती हैं। क्योंकि इस कानून से एक धर्म विशेष में व्याप्त कुरीतियों से भी निजात मिल है है। मामूली बातों पर तीन बार तलाक कहकर घर से बाहर नहीं निकाला जा सकता। अब कोई आफताब किसी श्रद्धा को जाल में फंसकर टुकड़े-टुकड़े नहीं कर सकता।

उत्तराखंड के मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में हम एक सशक्त भारत की ओर आगे बढ़ रहे हैं। पीएम मोदी के नेतृत्व में अनेक निर्णय लिए गए हैं। पीएम मोदी के कार्यों से प्रेरणा लेते हुए हमने उत्तराखंड में समान नागरिक संहिता लागू करने का ऐतिहासिक निर्णय लिया। समान नागरिक संहिता का उद्देश्य सभी के लिए एक समान व्यवस्था, एक समान कानून सुनिश्चित करना है। इन्वर्टिस यूनिवर्सिटी के कुलाधिपति एवं मेयर उमेश गौतम ने कहा कि उत्तराखंड में ऐसे देवस्थल हैं, जिनके बारे में लोगों को पता नहीं था, उसे छिपाकर रखा था। जिन्हें सामने लाने का साहस धाकड़ मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने किया। आदि कैलाश समेत अन्य देव स्थलों के दर्शन कराने के लिए जोरदार काम किया। तमाम परिवहन व्यवस्था की। जो कानून लागू हुआ वह असंभव प्रतीत हो रहा था पर मुख्यमंत्री धामी ने वो कर दिखाया। जिसे अन्य किसी राज्य में लागू कर पाना मुमकिन नहीं है। इससे सबक लेकर अन्य राज्य भी अनुसरण करेंगे। ऐसी उम्मीद जताई।

यूसीसी लागू होना सपने के सच होने जैसा: दीक्षित

कानूनविद् प्रोफेसर हरिवंश दीक्षित ने समान नागरिक संहिता कानून लागू होने पर कहा कि यह सपने के सच होने जैसा है। जब संविधान निर्माता देश का संविधान बना रहे थे, तब देश में समान नागरिक संहिता लागू करने का संकल्प लिया था। ताकि समानता रहे। पर तत्कालीन सरकारों ने इसमें कोई रुचि नहीं ली। बल्कि वोट बैंक की राजनीति के लिए संविधान दांव पर रखा।

भाजपा ब्रज क्षेत्र के अध्यक्ष दुर्विजय सिंह शाक्य बोले कि समान नागरिक संहिता लागू करना सामान्य बात नहीं है। जहां वोटों की चिंता हो, धार्मिक आधार पर वोट के ध्रुवीकरण के दौर में समान नागरिक कानून उत्तराखंड सरकार के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने लागू किया। पीएम मोदी से पहले के मुख्यमंत्री कहते थे कि प्राकृतिक और आर्थिक संसाधन पर पहला अधिकार मुसलमानों का है। देश में बंटवारा करके वोट लेना चाहते थे। पर पीएम मोदी ने सबका साथ सबका विकास का सपना देख। जिसे पुष्कर सिंह धामी ने सच कर दिखाया। देश के पहले मुख्यमंत्री होने का गौरव मिला जिन्होंने ये कानून लागू किया ताकि समानता रहे।

रेप मामले में डायरेक्टर सनोज मिश्रा गिरफ्तार

वायरल गर्ल मोनालिसा को की थी फिल्म ऑफर

» कार्यालय संवाददाता, स्वराज इंडिया।

नई दिल्ली। महाकुंभ से वायरल हुई मोनालिसा के डायरेक्टर सनोज मिश्रा को गिरफ्तार कर लिया गया है। डायरेक्टर सनोज मिश्रा को रेप के एक मामले में पुलिस ने गिरफ्तार किया है। उन्होंने दिल्ली हाई कोर्ट में बेल के लिए याचिका डाली थी, लेकिन उसे खारिज कर दिया गया, जिसके बाद दिल्ली के नबी करीम थाना पुलिस ने उन्हें गिरफ्तार कर लिया है। सनोज मिश्रा पर आरोप है कि उन्होंने एक छोटे कस्बे से आने वाली और हिरोइन बनने का सपना रखने वाली तमन्ना नाम की लड़की के साथ कई बार रेप किया।

पीड़िता के मुताबिक, 2020 में टिकटॉक और इंस्टाग्राम के जरिए उसकी मुलाकात सनोज मिश्रा से हुई थी। उस समय वह झांसी में रहती थी। कुछ समय तक दोनों में बातचीत होती रही और फिर 17 जून 2021 को डायरेक्टर ने उसे कॉल कर बताया कि वह झांसी रेलवे स्टेशन पर पहुंच गया है। आरोप है कि वहां से आरोपी उसे एक रिसॉर्ट में ले गया और नशीला पदार्थ खिलाकर उसके साथ दुष्कर्म किया। पीड़िता ने एफआईआर में बताया कि आरोपी ने उसकी आपत्तिजनक तस्वीरें और वीडियो बना लीं और धमकी दी कि अगर उसने विरोध किया तो वह उन्हें

» मोनालिसा की तरह हिरोइन बनाने का लालच देकर किया यौन शोषण।

सार्वजनिक कर देगा। इसके बाद उसने उसे शादी का झांसा देकर कई बार उसके साथ शारीरिक संबंध बनाए। साथ ही उसने उसे फिल्मों में काम दिलाने का भी लालच दिया।

आपको बता दें मोनालिसा के वायरल होने के बाद सनोज मिश्रा ने उन्हें फिल्म ऑफर की थी। सनोज मिश्रा ने मोनालिसा को अपनी अगली फिल्म द डायरी ऑफ 2025 में रोल ऑफर किया था। इतना ही नहीं वे मुंबई में मोनालिसा को एक्टिंग की ट्रेनिंग भी दे रहे थे। मोनालिसा को सनोज मिश्रा के साथ प्लेन में सफर करते भी देखा गया था।

मोनालिसा को फिल्म ऑफर करने के बाद उन पर आरोप भी लगे सनोज मिश्रा मोनालिसा का फायदा उठाना चाह रहे थे। हालांकि इन आरोपों के जवाब में मोनालिसा ने खुद एक वीडियो पोस्ट की थी, जिसमें उन्होंने इन आरोपों को खारिज कर दिया था। सनोज मिश्रा ने भी कहा थी कि महाकुंभ में वायरल हुई मोनालिसा एक गरीब घर से आती हैं, इसलिए वे उसकी मदद करना चाहते हैं और लोग केवल उन्हें परेशान करने के लिए ये सब आरोप लगा रहे हैं।